आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

मंगलवार 09.09.2025

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उधम सिंह नगर में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया; जनता से स्वदेशी उत्पाद अपनाने का किया आग्रह।
- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से उत्तराखंड में बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनडीए सांसदों से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों और ऑनलाइन गेमिंग विधेयक सहित प्रमुख कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करने को कहा।
- केंद्र सरकार के अंतर–मंत्रालयीय दल ने उत्तरकाशी, चमोली और बागेश्वर में प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन किया।

प्रबुद्धजन सम्मेलन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश "रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म" की नीति पर आगे बढ़ रहा है और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उधम सिंह नगर के काशीपुर में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी दी और विकास में जनसहभागिता पर बल दिया। उन्होंने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और धर्मांतरण व लैंड जिहाद पर सख्त कार्रवाई को सरकार के ऐतिहासिक फैसले बताया।

श्री धामी ने जीएसटी दरों में कमी के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इससे उद्योग और व्यापार जगत को लाभ हुआ है।

मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

नवजात मृत्यु दर में कमी

उत्तराखंड में नवजात शिशु मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है। यह उपलब्धि राज्य की मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन का परिणाम है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार के महापंजीयक की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में नवजात मृत्यु दर 15 प्रति हजार जीवित जन्म, शिशु मृत्यु दर 21 प्रति हजार जीवित जन्म और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 25 प्रति हजार जीवित जन्म रही है। यह आंकड़े पिछले वर्षों की तुलना में काफी कम हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इसमें आशा कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही है, जिनके प्रयासों से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सरकार ने गर्भवती महिलाओं के शत–प्रतिशत टीकाकरण और समुचित देखभाल के लिए विशेष अभियान चलाए, साथ ही ''खुशियों की सवारी'' जैसी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में नवजात देखभाल के लिए चार नवजात आईसीयू, नौ स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट, 34 न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, 289 नवजात शिशु देखभाल कॉर्नर और 47 कंगारू मदर केयर यूनिट संचालित हैं।

हिमालय दिवस

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालय दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं।

राज्यपाल ने सभी का आह्वान किया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हिमालय की सुंदरता, जैव विविधता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, ग्लेशियरों का पिघलना और प्रदूषण, हिमालय की पारिस्थितिकी के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके संरक्षण के लिए जल, जंगल और जमीन का बचाव, नदियों की स्वच्छता, वृक्षारोपण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय हमारी पहचान, संस्कृति और जीवन रेखा है और इसका संरक्षण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से हिमालय को सुरक्षित रखना हम सबका दायित्व है। सामाजिक विकास के साथ पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था में संतुलन बनाने की जरूरत है ताकि भावी पीढ़ियों के लिए हिमालय की सुंदरता और जैव विविधता संरक्षित रह सके।

निरीक्षण

केंद्र सरकार के अंतर–मंत्रालयीय दल ने कल उत्तराखंड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान दल ने उत्तरकाशी, चमोली और बागेश्वर में प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन किया और प्रभावित लोगों से बातचीत की।निरीक्षण से पहले टीम ने देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में बैठक की, जहां आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने आपदा से हुई क्षति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भारी बारिश और भूस्खलन से राज्य में कृषि, बागवानी, पर्यटन और आजीविका को व्यापक नुकसान हुआ है। पहली टीम ने उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल क्षेत्रों का निरीक्षण कर प्रभावित लोगों से संवाद किया। स्थानीय लोगों ने मकानों, होटलों, बगीचों और व्यवसायों को हुए नुकसान की जानकारी दी और शीघ्र पुनर्वास की मांग रखी।

दूसरी टीम ने चमोली जिले के थराली क्षेत्र का दौरा किया और हवाई व स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने पाया कि भूस्खलन से कई गांवों का संपर्क मार्ग टूट गया है और कुछ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ा है।

बागेश्वर में भी टीम ने पौंसारी, बैसानी और जगथाना मोटर मार्ग का निरीक्षण किया। प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं और प्रशासन द्वारा किए गए राहत प्रयासों की समीक्षा की।

केंद्रीय दल ने भरोसा दिलाया कि सभी पहलुओं पर विस्तृत रिपोर्ट जल्द केंद्र सरकार को भेजी जाएगी, ताकि पुनर्वास और सहायता कार्य तेजी से आगे बढ़ सकें।

<u>जीएसटी सुधार–प्रधानमंत्री आग्रह</u>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सांसदों से अगली पीढ़ी के वस्तु और सेवाकर –जीएसटी सुधारों की जानकारी लोगों तक पहुँचाने का आग्रह किया है। श्री मोदी ने ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन और विनियमन विधेयक–2025 सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों के लाभों के बारे में जागरूक करने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने कल शाम भाजपा और एनडीए सांसदों की दो दिन के कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया।

भाजपा नेता और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कार्यशाला में प्रधानमंत्री ने हाल ही में संसद में पारित महत्वपूर्ण विधेयकों पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री रिजिजू ने कहा कि उप–राष्ट्रपति चुनाव के बाद सांसद अब इस संदेश को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ले जाएँगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की।

<u>निर्देश</u>

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने महाकुंभ–2033 से पहले हरिद्वार–देहरादून रोड को डबल लेन बनाने के लिए वन्यजीव तथा वन मंजूरी की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने हर्रावाला रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए संयुक्त टीम को जल्द सर्वे करने को भी कहा है। सचिवालय में डीआरएम मुरादाबाद संग्रह मौर्य और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मुख्य सचिव ने ऋषिकेश–डोईवाला रेलवे बाइपास के लिए भी शीघ्र संयुक्त सर्वे कराने को कहा। उन्होंने रेलवे से कुंभ मेला के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट सर्कुलेशन प्लान तैयार करने को भी कहा।

मुख्य सचिव ने कुंभ 2027 की तैयारियों के लिए रेलवे से एक मेला अधिकारी नामित करने और राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने पूरे राज्य के लिए अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर.,..

आपदा पीड़ितों की मदद को केंद्र से आस– इस शीर्षक के साथ दैनिक जागरण लिखता है– केंद्रीय दल ने प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा, आज पौड़ी, रूद्रप्रयाग, बागेश्वर, और नैनीताल का दौरा करेगी टीम।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हवाले से हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है– सरकारी निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों को दिया जाएगा काम, बरसात के बाद पुनःनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्टर कार्यों को तेज करने के निर्देश।

कुंभ से पहले हरिद्वार– देहरादून रेल लाइन को डबल लेन करना जरूरी– इस शीर्षक के साथ दैनिक जागरण लिखता है– वाइल्ड लाइफ क्लीयरेंस व फॉरेस्ट क्लीयरेंस आदि की प्रक्रिया शुरू करने के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने दिए निर्देश।

केदारनाथ की हेली सेवा हुई महंगी– अमर उजाला का शीर्षक...खबर के मुताबिक– किराये में 45.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 15 सितंबर से शुरू होगी दूसरे चरण की उड़ान।

देहरादून से अब मसूरी तक रेल को चढ़ाने की तैयारी– हिन्दुस्तान समाचार पत्र इस शीर्षक के साथ खबर में लिखता है– दून मसूरी रेल प्रोजेक्ट का प्राथमिक सर्वे पूरा, फाइनल सर्वे के निर्देश।